वर्ष :: 34 अंक : 28
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 07 अप्रैल, 2024
News & E-paper : www.varnanlive.com
E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

धुएं में लगी अफवाह की आग

प्रबंधन और प्रशासन के अफसरों ने तुरन्त संभाला मोर्चा, डीसी भी रहीं अलर्ट

घटना के बाद बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने तत्काल मोर्चा संभाल लिया। बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी तथा अन्य वरीय अधिकारियों ने स्वयं घटनास्थल जाकर स्थिति का जायजा लिया। जिला प्रशासन की टीम ने घटनास्थल और बोकारो जनरल अस्पताल जाकर कामगारों के स्वास्थ्य का अपडेट भी लिया। डीसी विजया जाधव खुद इसे लेकर सजग व सतर्क दिखीं। उनके निर्देश पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार व सिविल सर्जन डा. दिनेश कुमार ने बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) जाकर प्रभावित कामगारों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मौके पर जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार व अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। शक्ति कुमार ने प्लांट में घटनास्थल का भी जायजा लिया।

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : चारों तरफ सायरन की गूंज। भागो-भागो, निकलो-निकलो, जल्दी बाहर निकलो की आवाज। मौत से खौफजदा हर एक कदम की रफ्तार अचानक तेज हो गई और सभी जान बचाने की दौड़ में शामिल हो गए। शनिवार को हर तरफ अफरा-तफरी और भागम-भाग की यह स्थिति रही बोकारो स्टील प्लांट की। प्लांट की हॉट स्ट्रिप मिल में मेंटेनेंस के दौरान गैस की पाइपलाइन में चिंगारी से आग लग गई। हर तरफ धुआं फैल गया, लेकिन इस धुएं को अफवाह की आग ने और धधका दिया। लेकिन, सुखद बात यह रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और न ही कोई गंभीर रूप से हताहत हुआ। लगभग दो दर्जन लोग धुएं से प्रभावित जरूर हुए, लेकिन शाम होते-होते सभी स्वस्थ होकर अपने घर को लौट गए। बता दें कि लोग धुएं को जहरीली गैस का रिसाव समझ बैठे और जान बचाकर भाग निकले। प्लांट में जहां चारों तरफ भागम-भाग वाली स्थिति रही, वहीं शहर में आतंक का माहौल बन गया।

होशो-हवाश खो बैठे मजदूर

किसी ने कह दिया कि कार्बन मोनोआक्साइड गैस में आग लगने से ऐसा हो रहा है। इसे सुनते ही मजदूर होश-हवाश खो बैठे और अपनी बाइक और साइकिल प्लांट में ही छोड़कर मेन गेट, सीईजेड गेट और स्टील गेट से बाहर भागने लगे। इसके बाद मेन गेट से लेकर इस्पात भवन तक सिर्फ मजदूरों का जमावड़ा दिखने लगा। सभी एक-दूसरे से सिर्फ घटना के बारे में ही बात कर रहे थे। वैसे मजदूरों के प्लांट से बाहर जाने की वजह से प्लांट का काम कई घंटों तक रुका रहा और दिनभर पूरे शहर में चर्चा का बाजार गर्म रहा। इससे करोड़ों के नुकसान की संभावना जताई जा रही है। मजदूरों ने कहा कि धुएं की वजह से आंखों व गले में जलन हो रही थी। इसकी वजह से वे लोग घबरा गए और साइकिल-बाइक छोड़ भाग गए। बताया कि एक शिफ्ट में करीब 8000 मजदूर काम करते हैं, इसमें से करीब 5000 मजदूर अफरा-तफरी में प्लांट से निकल गए।

बोला प्रबंधन- मिक्स्ड पाइप लाइन में मेंटेनेंस वर्क के दौरान हुई घटना

इधर, बोकारो स्टील प्लांट के प्रमुख, संचार मणिकांत धान ने बताया कि संयंत्र की मिक्स्ड गैस पाइप लाइन, जिससे हॉट स्ट्रिप मिल के री-हीटिंग फर्नेस में गैस सप्लाई की जाती है, उसमें शनिवार सुबह से हॉट स्ट्रिप मिल के कैपिटल रिपेयर के अंतर्गत पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार मेंटेनेंस का काम चल रहा था। पाइप लाइन बंद थी, लिहाजा इसमें कोई गैस नहीं थी। मेंटेनेंस कार्य के तहत पाइप लाइन में एक कम्पेन्सेटर भी चेंज किया जाना था तथा इस कार्य के दौरान पाइपलाइन के अंदर जमा नैप्था, सल्फर, टार इत्यादि जो ज्वलनशील होता है, उसमें आग पकड़ लग गई और काफी धुआं निकल आया, जो पाइप लाइन के **(शेष पेज- 7 पर)**

लोगों ने बंद कर लिए खिड़की-दरवाजे

बोकारो स्टील प्लांट की गैस पाइपलाइन में अचानक आग लग जाने और धुएं का गुबार निकलने की घटना के बाद प्लांट में चौतरफा अफरा तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद सीआईएसएफ और अग्निशमन विभाग के दस्ते ने आग पर काबू पा लिया। आनन-फानन में सीआईएसएफ के सुरक्षा कर्मियों ने प्लांट गेट खोल दिया और अन्दर काम कर रहे कर्मचारी बाहर भागने लगे। घटना शनिवार सुबह की है। हादसे के बाद पूरे शहर और आसपास के इलाके में अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। गैस रिसाव की आशंका से कुछ समय के लिए आतंक की स्थिति बन गई। लोगों ने एहतियातन अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद कर लिए और मास्क पहन लिए।

खुल गई कलई हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार पिंटू ने किया खुलासा, ईडी से कहा- पूर्व सीएम के कहने पर ही हुआ था 'खेल'

फर्जी कागजात के सहारे जमीन हथियाना चाहते थे हेमंत

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फर्जी कागजात के सहारे बड़गाई अंचल की जमीन को हथियाने की साजिश रची थी। इसका खुलासा अंततः हो ही गया। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की पूछताछ में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक प्रसाद पिंटू ने खुलासा किया है कि पूर्व सीएम के कहने पर ही बड़गाईं स्थित 8.86 एकड़ जमीन हथियाने का खेल हुआ था। ईडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन, विनोद कुमार सिंह, राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद के अलावा राज कुमार पाहन और हिलारियास कच्छप सहित अन्य के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया है। ईडी की पूछताछ में इस बात का खुलासा किया है। ईडी ने बड़गाईं अंचल कार्यालय में तलाशी के दौरान एक फाइल जब्त की थी, जिस पर 'सीएमओ पिंटू अर्जेंट' लिखा हुआ था। हालांकि, इसे पेन से काट दिया गया था। अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू ने बड़गाईं अंचल स्थित 8.86 एकड़ जमीन के अलावे अन्य दो जमीन

का भी खुलासा किया है। फिलहाल ईडी इसकी जांच कर रही है। जांच के दौरान ईडी को पता चला कि मुख्यमंत्री कार्यालय में तैनात उदय शंकर ने बरियातू थाना क्षेत्र स्थित विवादित जमीन का सत्यापन करने के लिए सीओ मनोज कुमार को निर्देश दिया था। उदय शंकर अभिषेक प्रसाद का पीए था। मनोज कुमार ने राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद को निष्पादित करने का निर्देश दिया था। भानु प्रताप प्रसाद ने जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ी गतिविधियों में हेमंत सोरेन की काफी मदद की थी। अभिषेक प्रसाद ने ही उदय शंकर से काम कराने को कहा था। ईडी के मुताबिक यह जमीन 2010 से हेमंत सोरेन के कब्जे में थी, जिसे कानूनी रूप से कब्जा पाने के लिए फर्जी कागजात बनाना चाहता था और आर्किटेक्ट विनोद कुमार सिंह की सलाह पर एक बैंक्वेट हॉल बनाने की योजना थी।

अन्य प्लॉट को भी हड़पने की थी योजना

ईडी के अनुसार इस जमीन के बगल में स्थित एक अन्य प्लॉट को हड़पने की योजना थी। ईडी ने दावा किया है कि हेमंत सोरेन अपने करीबी रंजीत सिंह के जरिए अन्य जमीन हड़पने की योजना बना रहे थे। ईडी ने कल्पना सोरेन के साथ रंजीत सिंह के पार्टनरशिप एग्रीमेंट के कागजात बरामद किए हैं। 18 मार्च को ईडी की पूछताछ में अभिषेक प्रसाद ने स्वीकार किया कि वह उदय शंकर को जानता है। हेमंत सोरेन के निर्देश पर उदय शंकर को 8.86 एकड़ जमीन के सत्यापन का निर्देश दिया गया था। अक्टूबर 2022 में उसने वाट्सएप पर हेमंत सोरेन और उनके परिवार से जुड़े दो अन्य जमीन के सत्यापन का निर्देश उदय शंकर को दिया था। बता दें कि ईडी ने हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से एक घंटे पहले उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

लूट की यारी भला कब तक!

सांसद दीपक प्रकाश ने हेमंत सोरेन के खिलाफ अभिषेक पिंटू के बयान मामले पर सोशल मीडिया पर तंज कसा है। कहा कि भ्रष्टाचार और लूट की यारी ज्यादा दिन तक नहीं टिकती, कानून का शिकंजा कसता देख अच्छे अच्छे साथ छोड़ जाते हैं। आखिरकार हेमंत सोरेन के भरोसेमंद उनके पूर्व प्रेस सलाहकार अभिषेक पिंटू ने सच कबूल ही लिया है कि वह हेमंत सोरेन के कहने पर ही लूट-खसोट (बड़गाई जमीन लूट) का सारा खेल खेलते थे।

– संपादकीय –

‘ममता के आंचल’ में अराजकता

पश्चिम बंगाल में अराजकता का माहौल है। इसके लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी राज्य की ममता सरकार को ही जिम्मेदार ठहराया है। कलकत्ता हाईकोर्ट में संदेशखाली में हिंसा पर दायर याचिकाओं की सुनवाई लगातार जारी है। गुरुवार को उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। कोर्ट ने कहा कि यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही, कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लेकिन, संदेशखाली की घटना के लिए राज्य सरकार के खिलाफ हाईकोर्ट की उक्त टिप्पणी आने के तीन दिन बाद ही शनिवार को मेदिनीपुर में उपद्रवियों ने विस्फोट की एक घटना की जांच के लिए पहुंची एनआईए की टीम पर पुनः हमला कर दिया। शर्मनाक यह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस घटना में उपद्रवियों का बचाव करते हुए एनआईए टीम को ही हमलावर बता दिया। दरअसल, इससे पहले 5 जनवरी को उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां के घर की तलाशी के दौरान ईडी की टीम पर तृणमूल नेता के समर्थकों ने हमला कर दिया था। लेकिन, ममता सरकार पीड़ितों को मदद पहुंचाने के बदले आरोपियों को ही संरक्षण देने में लगी रही। अंततः कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर संदेशखाली में महिलाओं से यौन शोषण और जमीन हड़पने के आरोपी शाहजहां शेख को 29 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। तृणमूल कांग्रेस नेता को बंगाल पुलिस द्वारा 55 दिनों की भाग-दौड़ के बाद पकड़ा गया था। इसके बाद उसे सीबीआई को सौंप दिया गया। इस पूरे मामले में उच्च न्यायालय ने संदेशखाली में महिलाओं से यौन-शोषण और जमीन हड़पने की सूचना के बाद भी पुलिस द्वारा चार्जशीट दायर करने में चार साल का लंबा समय लगाने पर हैरानी भी जताई थी। इसी बीच पूर्वी मेदिनीपुर के भूपतिनगर में हुए विस्फोट की जांच के सिलसिले में पहुंची एनआईए की टीम पर शनिवार को उपद्रवियों ने घेर कर हमला कर दिया। एनआईए अधिकारियों की कार पर पथराव किया गया, जिसमें दो अधिकारियों को चोटें आई हैं। दरअसल, दिसंबर 2022 में भूपतिनगर थाने के अर्जुन नगर ग्राम पंचायत के नैराबिला गांव में रात करीब 11 बजे भीषण बम विस्फोट हुआ था। घटना में तृणमूल बूथ अध्यक्ष राजकुमार मन्ना, उनके भाई देव कुमार मन्ना और विश्वजीत गायेन की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस इलाके में गई। पुलिस ने अपनी पहल पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। बाद में कोर्ट के आदेश पर एनआईए ने घटना की जांच अपने हाथ में ले ली। एनआईए ने विस्फोट के सिलसिले में भूपति नगर के दो लोगों को तलब किया, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। फिर शनिवार को एनआईए ने दोनों के घरों पर छापेमारी की और जैसे ही पूछताछ के लिए ले जाने के लिए दोनों को कार में बैठाया, उसके समर्थक तृणमूल कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय एजेंसी के वाहन को घेर लिया। उपद्रवी आरोपियों को कार से उतारने की मांग कर रहे थे। इस दौरान उपद्रवियों ने गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। दो अधिकारियों को चोटें आई हैं। हमले के बाद एनआईए टीम थाने पहुंची। एनआईए की ओर से लिखित शिकायत की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। लेकिन, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपति नगर इलाके में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों पर हमला नहीं किया, बल्कि एनआईए के अधिकारियों ने उन पर (ग्रामीणों पर) हमला किया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जांच एजेंसी का दल 2022 में पटाखा विस्फोट की एक घटना की जांच के सिलसिले में तड़के ग्रामीणों के घरों में गया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह बयान न सिर्फ हैरान करने वाला है, बल्कि यह संदेश देने वाला है कि अदालत भले ही कोई टिप्पणी करे, उपद्रवियों और अराजक तत्वों को सरकार का संरक्षण जारी रहेगा। सच कहें तो यह ‘ममता’ के ‘आंचल’ में अराजकता को संरक्षण है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

भारत-अमरीका के मजबूत होते रिश्ते

अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर रहा है। भारत के साथ संबंधों को गहरा करना अमेरिकी विदेश नीति के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। भारत और अमेरिका के व्यापक साझा हित हैं। अमेरिका उस क्षेत्र को खतरनाक मानता है जहां चीन आगे बढ़ रहा है। बीते हफ्ते इंडो-पैसिफिक लैंड फोर्सेज कमांडर जनरल चार्ल्स फ्लिन ने कहा कि चीन की आधुनिक मिसाइलों का मुकाबला करने के उपायों का पता लगाने में अमेरिकी बलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अमेरिका निकट भविष्य में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मध्यम दूरी की मिसाइलें तैनात करने पर विचार कर रहा है। भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल का उद्देश्य भी एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना है। क्योंकि दुनिया का अधिकांश व्यापार संचार की समुद्री लाइनों पर निर्भर होने के कारण उनकी सुरक्षा बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

चूंकि व्यापार बड़े पैमाने पर महासागर के माध्यम से किया जाता है, इसलिए मजबूत समुद्री परिवहन सहयोग से हिंद-प्रशांत में देशों के भीतर और बीच शिपिंग नेटवर्क को मजबूत करने में मदद मिलेगी। समुद्री क्षेत्र में सहयोग निकट भविष्य में भारत-अमेरिका संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकता है। साथ ही तेजी से सिर उठाते खतरों का सामना करने के लिए भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय खुफिया सूचना सहयोग को न सिर्फ सशक्त करने की जरूरत है, बल्कि इसे विभिन्न क्षेत्रों में फैलाने के लिए तमाम संभावनाओं को तलाशने की भी आवश्यकता है।

भारत और अमेरिका खास तौर पर इंडो-पैसिफिक में महाद्वीपीय, समुद्र और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में संवेदनशील जानकारी साझा करने के साथ ही इंटेलिजेंस सेक्टर में आपसी सहयोग सशक्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों के बीच मजबूत होती भागीदारी ने खुफिया मामलों में आपसी सहयोग की संभावनाओं के ऐसे द्वारा खोलने का काम किया है जिनके बारे में दो दशक पहले सोचना भी मुमकिन नहीं था। जिस प्रकार से क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सुरक्षा को लेकर माहौल में बदलाव आ रहा है, उसके मद्देनजर अमेरिका और भारत की खुफिया एजेंसियों के बीच सशक्त सहयोग बेहद जरूरी हो गया है।

समुद्री क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न प्रकार की जानकारियां आज के दौर में क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए खासी महत्वपूर्ण हो गई हैं। यही वजह है कि खुफिया जानकारी साझा करने का महत्व भी बहुत बढ़ गया है। इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक सफलता हासिल करने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, समुद्री लुटेरों का मुकाबला करना और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना बेहद अहम हो जाता है।

प्रस्तुति : बीके तिवारी

सूने मन का नहीं कोई ठिकाना

रे चंचल मनवा! तू माने चाहे न माने
समय-समय की बात है।
तू कुंदन से तन को तोड़ता, जोड़ता
कृषकायसे जोड़ता नात है।

दिल में भर दर्दे दरिया का दारुण सागर,
सुखा देता अश्रु प्रपात है।
देता है चैन भी, घड़ी दो घड़ी के लिए,
जैसे पुष्प पारिजात है।

बचपन के, वे भी क्या दिन थे, जब बासी रोटी
लगती थी मलाई।
न कोई फिक्र, न कोई चिंता, मस्ती में
झूमा करते थे बहन-भाई।

बात-बात पेमचलना,
जिद्द में आ जाने कितनी कसमें थी खाई।
उम्र के दोराहे पर, जबरन सखी बन, पास आ
बैठी है तन्हाई।

लगता है पैदा कर रहा वक्त,
अनंत यात्राओं के हालात हैं।
समय की चाल से नहीं नींद नयनों में,
तारें गिन बीतती रात है।

उलझन, सुलझन से करते रहता,
जाने कैसे-कैसे सवालात हैं।
सूने मन का नहीं कोई ठिकाना, वक्त-वक्त
को देता मात है।

– डॉ.सविता मिश्रा मागधी
बेंगलुरू

लोकतंत्र के महापर्व में हरेक मतदाता की भागीदारी करें सुनिश्चित : उपायुक्त

जोर-शोर से चल रही चुनावी तैयारी, छूटे हुए वोटरों को फार्म - 6 उपलब्ध कराकर जोड़ने का निर्देश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में चुनावी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह- उपायुक्त विजया जाधव ने जिले के सभी सीडीपीओ एवं विभिन्न परियोजना के महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह- उपायुक्त ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में शामिल होने का आखिरी अवसर है। वैसे सभी मतदाता, जिनका किसी कारण से अब तक मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं हो सका है, उनके बीच फार्म छह का वितरण एवं प्राप्त करना सुनिश्चित करें। सभी महिला पर्यवेक्षिका बीएलओ के कार्यों की निगरानी करें।

प्रतिदिन कितने फार्म का वितरण हुआ और कितना फार्म प्राप्त हुआ, इसको जिला को रिपोर्ट करेगी। समन्वय के साथ कोई मतदाता छूटे नहीं लक्ष्य को देखते कार्य को पूरा करना है। आगामी 26 अप्रैल तक फार्म छह प्राप्त किया जा सकता है। वहीं पीडब्ल्यूडी एवं 85 प्लस बुजुर्ग मतदाताओं की सहूलियत को लेकर मतदान दिवस के दिन ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने को लेकर ट्राई साइकिल चिन्हित करने एवं उसका संबंधित मतदान केंद्रों से टैग करने का कार्य को अंतिम रूप देने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पीयूष, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो अशोक कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मतदान के दिन मुस्तैद रहेगी बूथों पर मेडिकल टीम

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव ने लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर मेडिकल प्लान को लेकर सभी प्रखंड चिकित्सा प्रभारी पदाधिकारियों (एमओआईसी) एवं एमपीडब्ल्यू के साथ बैठक की। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार, नोडल पदाधिकारी शालिनी खलको समेत अन्य चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित थे। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर सभी प्रखंड चिकित्सा प्रभारी पदाधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने को कहा। उन्होंने आगामी 25 मई को मतदान दिवस के दिन मतदान केंद्रों पर मेडिकल टीम को सुनिश्चित करने के लिए तैयार मेडिकल प्लान पर चर्चा हुई। गर्मी को देखते हुए जरूरी दवाइयां/ओआरएस आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, स्वास्थ्य संस्थानों को भी अलर्ट मोड में रखने को लेकर सभी जरूरी तैयारी करने को कहा।

बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह- उपायुक्त ने कहा कि कुछ एमपीडब्ल्यूओ को स्टैटिक सर्विलांस टीम में ड्यूटी दी जाएगी। उन्होंने निर्वाचन दायित्वों को सही से निर्वहन करने एवं जिले के अंतरराजकीय एवं अंडर डिस्ट्रिक्ट चेकनाकों पर सघन वाहन जांच करने, बड़े-छोटे या लक्जरी वाहनों की भी जांच करने एवं किसी तरह का कोई आपत्तिजनक सामान/राशि मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला नियंत्रण कक्ष/अपने वरीय पदाधिकारी को सूचित करने का निर्देश दिया।

वहीं, स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों, कार्यरत कर्मियों, वैसे व्यक्ति, जिसका किसी भी कारण से मतदाता सूची में अभी भी नाम दर्ज नहीं हो सका है, उन्हें फार्म 06 भरने एवं निर्वाचन कार्य में लगे कर्मियों को फार्म 12 डी भरने को लेकर जागरूक करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ोतरी के लक्ष्य में सभी की भागीदारी जरूरी है।

पहल पर्यावरण-मैत्री लौह-उत्पादन में जुड़ा नया आयाम, नई प्रणाली का सफल परीक्षण

सेल में पहली बार बोकारो स्टील प्लांट की भट्टी में हुआ ब्रिकेट का इस्तेमाल

महीन अपशिष्ट पदार्थों से तैयार किया गया ब्रिक्स

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस विभाग और सेल-आरडीसीआईएस की संयुक्त टीम ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पहली बार परीक्षण के आधार पर बीएसएल के ब्लास्ट फर्नेस नंबर 01 में ब्रिकेट चार्ज करने में सफलता हासिल की है। यह सेल में इस तरह का पहला प्रयोग है। आरडीसीआईएस और बीएसएल ने बोकारो स्टील प्लांट के रिटर्न सिंटर, स्लज और अन्य महीन अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके सफलतापूर्वक ब्रिकेट विकसित किया है। यह लोहा बनाने की प्रक्रियाओं को सस्टेनेबल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इतना ही नहीं, यह नई तकनीक इस्पात निर्माण प्रक्रिया में पर्यावरण प्रबंधन और संसाधन अनुकूलन की दिशा में एक एक अहम उपलब्धि भी है। यह परियोजना बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में सीजीएम (आयरन) आरडीसीआईएस एके मिस्त्री और सीजीएम (ब्लास्ट फर्नेस) एम.पी. सिंह के मार्गदर्शन में कार्यान्वित किया गया है।

इस सफल परीक्षण में बीएसएल के सीजीएम (सिंटर प्लांट) बीके बेहरा, सीजीएम (आरएमएचपी) धनंजय कुमार, एम रॉय, जीएम (बीएफ), आरडीसीआईएस, श्यामसुंदर, जीएम (बीएफ) बीएसएल, के. मिंज, जीएम (बीएफ) बीएसएल, आदर्श गुप्ता, जीएम (एसपी), अनिल कुमार, डीजीएम(एसपी) बीएसएल, संतोष कुमार, डीजीएम आरडीसीआईएस बोकारो, मनीष माधव, प्रबंधक (बीएफ), स्मिता टोप्पो, प्रबंधक (आरडीसीआईएस बोकारो), अभिजीत दास, प्रबंधक (आरडीसीआईएस बोकारो) और आरडीसीआईएस और बीएसएल के टीम के सदस्य सक्रिय रूप से शामिल थे।

निजी स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसेगी समिति

अभिभावक संघ ने जताया डीसी का आभार

संवाददाता

बोकारो : बोकारो उपायुक्त विजया जाधव ने निजी स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। झारखण्ड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 में निहित प्रावधान के तहत निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र अभिभावकों द्वारा प्राप्त परिवाद पत्र में अंकित तथ्यों की जांच हेतु जिला स्तरीय समिति में उपायुक्त बोकारो अध्यक्ष, जिला शिक्षा पदाधिकारी पदेन सदस्य सचिव (माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय) व जिला शिक्षा अधीक्षक पदेन सदस्य सचिव (प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय), जिला परिवहन पदाधिकारी पदेन सदस्य, अपर नगर आयुक्त, बोकारो नामित चार्टर्ड एकाउटेंट, सदस्य के अलावा दो निजी विद्यालयों के प्राचार्य तथा अभिभावक संघ के प्रतिनिधि नामित सदस्य के रूप में रखे गए हैं। हालांकि, कुछ निजी स्कूलों के प्रतिनिधियों को रखने तथा आयकर विभाग के किसी भी प्रतिनिधि को नहीं रखने पर इस समिति के लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। इधर, समिति के गठन पर झारखंड अभिभावक संघ के जिलाध्यक्ष महेंद्र राय ने खुशी जाहिर की और इसके लिए उपायुक्त का आभार व्यक्त किया। श्री राय ने कहा कि उपायुक्त विजया जाधव ने हम अभिभावकों का दर्द समझा और राहत दिलाने की लिये समिति का गठन कराया है। कहा कि अभिभावक संघ ने स्कूल से लेकर जिला मुख्यालय तक धरना प्रदर्शन किया था। आज चार साल बाद बोकारो उपायुक्त विजया जाधव के दिशा-निर्देश पर जिला स्तरीय जांच समिति गठित की गई, जिसमें दो अभिभावक को भी शामिल किया गया।

सदस्य मनोनीत होने पर महेंद्र ने कहा कि अभिभावकों की समस्याओं को जिला स्तर पर रखकर वह समस्याओं का निदान कराएंगे। स्कूलों की मनमानी पर रोक लगेगी। प्रतिवर्ष पुस्तक परिवर्तन, नया पब्लिकेशन पर रोक, फीस बढ़ोतरी पर लगाम लगाई जाएगी। एनसीईआरटी पुस्तकों के माध्यम से छात्र की पढ़ाई हो, ताकि मनमाने रूप से निजी पब्लिकेशन पर रोक लगे।

शिकंजे में इंसाफ

संवाददाता
बोकारो : बोकारो के पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश के निर्देश पर पुलिस दल ने मोटरसाइकिल लूट कांड सहित लगभग 20 आपराधारिक मामलों के वांछित अभियुक्त इंसाफ अली उर्फ पिटला को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने उसे जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत घटियाली गांव स्थित उसके घर से दबोचा। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने लूटी गई एक मोटरसाइकिल तथा उसके पास से देसी कट्टा व गोली बरामद की।

मिली सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश ने बोकारो के नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया और छापामारी के क्रम में पुलिस को उक्त सफलता हाथ लगी। पकड़े गये अभियुक्त की निशानदेही पर पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र से लूटी गई पल्सर मोटरसाइकिल और गोली सहित एक देसी कट्टा और मोबाइल फोन बरामद किया गया।

धनबाद और बंगाल तक में था आतंक

पुलिस अधीक्षक श्री प्रकाश ने बताया कि अभियुक्त ने अपने बयान में बोकारो के विभिन्न थानों, धनबाद जिला एवं बंगाल के विभिन्न थानों में चेन छिनतई की कई घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। उसने छिनतई की घटनाओं में सभी चेन एक सोनार के हाथों बेचने की बात बताई। छापामारी दल ने अन्य जगहों पर छापामारी कर एक चेन की खरीद-बिक्री करने वाले व्यक्ति मधुकरपुर, कसमार निवासी संजय स्वर्णकार को भी गिरफ्तार किया। साथ ही उसके पास से छिनतई के कई सोने के चेन, झुमका, लॉकेट आदि बरामद किया गया। छापामारी में पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन के साथ चास के एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, बोकारो स्टील सिटी सुदामा कुमार दास, सेक्टर-12 के थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र सिंह, पिंड्राजोरा के थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार, अवर निरीक्षक रमेश कुमार, प्रभात कुमार, कुलदीप राम, कृष्णा उरांव व स.अ.नि. मनोज कुमार झा आदि शामिल थे।

शहर में बढ़े भू-माफियाओं के नापाक हौसले

संवाददाता
बोकारो : बोकारो में जमीन हथियाने और इस गोरखधंधे में अपराध को अंजाम देने का मामला नया नहीं रह गया है। भू-माफियाओं ने यहां नदी-तालाब और पहाड़ तक को हथियाकर जमीन लूट ली है। बालीडीह थाना क्षेत्र के करहरिया गांव में भू-माफियाओं ने जमीन विवाद को लेकर एक दम्पत्ति पर जिस तरह से धारदार हथियारों से हमला कर दिया, उसने जमीन माफियाओं के बढ़े हुए मनोबल को स्पष्ट कर दिया।

उक्त घटना में हरेंद्र प्रसाद दास व उनकी पत्नी रीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सदर अस्पताल बोकारो में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि जख्मी दम्पत्ति बुधवार की रात विवादित जमीन पर बैठे हुए थे। तभी छह की संख्या में आए नकाबपोश अपराधियों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना में दम्पत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि भू-माफियाओं ने पहले भी इस तरह की घटना को अंजाम देने की कोशिश की थी तथा उनके साथ मारपीट की गई थी।

इसके बाद पुलिस की ओर से निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए 107 व विवादित भूमि पर 144 की कार्रवाई की गई थी। लेकिन, बीते दिनों अचानक लोग आए व दम्पत्ति पर तलवार से हमला कर दिया। उन्हें कई जगहों पर गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल चल रहा है। जख्मी अनिल कुमार दास ने बताया कि वे विवादित भूमि पर नया घर बनाकर रह रहे हैं। विवाद से जुड़े लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। इससे साफ है कि बोकारो में जमीन हथियाने वाले लोगों में कानून का कोई भय नहीं रह गया है।

उपलब्धि फ्रांस की थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने दी साहित्य वाचस्पति की मानद उपाधि

डॉ. गंगवार ने दुबई में बजाया बोकारो का डंका

संवाददाता
बोकारो : विगत तीन दशक से भी अधिक समय तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बहुमूल्य सेवा देते हुए बोकारो का नाम विश्व-पटल पर गौरवान्वित करने वाले डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार की उपलब्धियों में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। उन्होंने दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में बोकारो का डंका बजाते हुए वहां आयोजित एशिया अरब एजुकेशन एंड लीडरशिप समिट के दौरान साहित्य वाचस्पति यानी लिटरेचर में डॉक्टरेट (डी.लिट.) की मानद उपाधि पाने का गौरव हासिल किया। पेरिस की थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने उन्हें शिक्षा और प्रशासन के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए

विशेष रूप से यह सम्मान प्रदान किया।

टीपीईजी इंटरनेशनल, दुबई के संस्थापक सह सीईओ एवं थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो-वाइस चांसलर (खाड़ी) डॉ. मानव आहूजा, इनटाइम क्रिएटिव इवेन्ट, एलएलसी (दुबई) के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. ईके राधाकृष्णन नमबियार, शारजाह स्थित वेस्टफोर्ड यूनिवर्सिटी कॉलेज के सीनियर फैकल्टी डॉ. फिरोज खान एवं अन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति में उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया। इसके साथ ही, समर्पण, गहन अनुभव, उपलब्धियों तथा राष्ट्र व समाज के प्रति विशेष अवदान हेतु डॉ. गंगवार को एक विशेष प्रशस्ति-पत्र भी दिया गया। मंगलवार को विद्यालय में आयोजित एक विशेष प्रार्थना सभा के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा की गई।

इस क्रम में विद्यालय का वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सभी ने प्राचार्य को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। अपने उद्गार में प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इस अवॉर्ड का श्रेय समस्त विद्यालय परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों व सदस्यों के सहयोग से ही ऐसे सुखद अवसर आते हैं।

गौरतलब है कि इसके पूर्व भी डॉ. गंगवार बैंकॉक, ढाका, श्रीलंका और मॉरीशस जैसे देशों में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजे जा चुके हैं। इनमें ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड, एक्सीलेंट इनोवेटर, ग्लोबल प्रिंसिपल, एक्जम्पलरी लीडर ऑफ द ईयर आदि शामिल हैं।

हफ्ते की हलचल

राष्ट्र सर्वोपरि के ध्येय से समर्पित है भाजपा : बिरंची

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 44वें स्थापना दिवस पर शनिवार को बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने सेक्टर-1 स्थित अपने आवासीय कार्यालय में पार्टी की ध्वज फहराया। विधायक ने कहा कि आज भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने की यात्रा में अपना जीवन समर्पित करने वाले असंख्य कार्यकताओं का वंदन करता हूं। संगठन के प्रति अटूट समर्पण, कार्य के प्रति निष्ठा व राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ दिन-रात लगनशील कार्यकताओं ने भाजपा को करोड़ों देशवासियों की आशा और आकांक्षा का सशक्त माध्यम बनाया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा गरीब कल्याण, सांस्कृतिक विरासतों के पुनर्निर्माण व महिलाओं के सम्मान का पर्याय बनकर विकसित भारत के निर्माण में सहयोग दे रही है। राष्ट्र प्रथम ध्येय के साथ भाजपा के 44 वर्ष सेवा, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और सांस्कृतिक पुनरुद्धार को समर्पित हैं। मौके पर शशिभूषण ओझा मुकुल, दिलीप श्रीवास्तव, मुकेश राय, कमलेश राय, संजय त्यागी, इन्द्र कुमार झा आदि मौजूद रहे।

चिन्मय विद्यालय में हुई अंतर सदन फुटबॉल प्रतियोगिता

बोकारो : स्थानीय चिन्मय विद्यालय के क्रीड़ा प्रांगण में तीन अलग-अलग आयु वर्ग में अंतर सदन फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। ग्रुप ए कक्षा 12वीं के पृथ्वी सदन के छात्रों ने वायु सदन के खिलाड़ियों को 2-0 से हराकर फाइनल जीता। वहीं, ग्रुप बी में नवमी एवं दशवीं के खिलाड़ियों, अग्नि सदन ने पृथ्वी सदन को फाइनल में 1-0 से हराकर जीत हासिल की। ग्रुप सी में कक्षा छठी से आठवी में फुल टाइम में गोल नहीं होने के कारण पेनेल्टी शूट का आयोजन किया गया। जल सदन ने पेनेल्टी शूट में वायु सदन को 3-2 से परास्त किया। फाइनल मैच प्रारंभ होने के पूर्व विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्राचार्य सूरज शर्मा ने प्रतिभागियों को कहा कि हार और जीत दोनों ही हमें शिक्षा देती है। मैच में रण विजय ओझा, विशाल कुमार मौर्य, आदर्श आचार्या ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस दौरान विभागाध्यक्ष वरीय शिक्षक हरिहर पांडेय, संजीव सिंह, प्रवीण कुमार, नितेश पांडेय एवं ललिता उरांव ने मैच के संचालन में सहयोग करते हुए खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

ओलंपियाड में डीपीएस चास के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बोकारो : डीपीएस चास के विद्यार्थियों ने सिल्वर जोन ओलंपियाडों में उत्कृष्ट परिणाम पाया है। विद्यालय की कक्षा पहली से नौवीं तक के 700 विद्यार्थियों ने गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और सामान्य ज्ञान जैसे विभिन्न विषयों में उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिभागिता निभाते हुए अपनी प्रतिभा तथा दक्षता का प्रदर्शन किया। कक्षा द्वितीय के ईशान कुमार बाउरी ने अंग्रेजी में जोनल टॉपर रैंक हासिल की है, वहीं कक्षा छठवीं के दक्षेश गोस्वामी और कक्षा आठवीं के बिजय कुमार महतो को विज्ञान में स्टेट टॉपर के रूप में सम्मानित किया गया है। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन तथा प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे ने छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक सफलता हासिल करने की प्रेरणा दी।

ईद व रामनवमी को ले शांति समिति की बैठक

गोमिया : गोमिया थाना परिसर में ईद और रामनवमी त्योहार को लेकर शांति समिति की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में दोनों ही त्योहार

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर चर्चा हुई तथा रणनीतियां तैयार की गईं। बताया गया कि ईद और रामनवमी को लेकर आसपास के इलाकों में पुलिस की गश्ती रहेगी। रामनवमी जुलूस को अनुशासन व शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण के साथ पूर्व निर्धारित रूट के अनुसार भ्रमण करना है। त्यौहार में किसी भी प्रकार की खलल डालने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और वैसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में प्रखंड प्रमुख प्रमिला चौड़े, जिला पंचायत सदस्य डॉ सुरेंद्र राज, आजसू केंद्रीय के सचिव राजेश विश्वकर्मा, गोमिया थाना एस आई, जनप्रतिनिधि, पंसस विष्णु लाल सिंह, जानकी यादव, समाजसेवी बद्री पासवान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चुनावी तैयारी में कोई भी शिथिलता नहीं की जाएगी बर्दाश्त : के. रवि कुमार

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की धनबाद, बोकारो, गिरीडीह एवं देवघर जिलों में चुनाव संबंधी तैयारियों की समीक्षा, दिए कड़े निर्देश

विशेष संवाददाता

धनबाद : 'लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में किसी तरह की शिथिलता नहीं बरतें। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान के लिए सजग रहें। अपराधी, असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों सहित निर्वाचन के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास किये जाने वालों की थाना स्तर पर सूची तैयार कर उनपर कड़ी निगरानी रखते हुए कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। आगामी 15 तारीख तक पदाधिकारी अपने आवंटित कार्यों को पूरा कर प्रतिवेदन समर्पित करें।' यह निर्देश झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने दिया। वह धनबाद के समाहरणालय सभागार में धनबाद, बोकारो, गिरिडीह एवं देवघर जिलों में लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला प्रशासन एवं पुलिस के पदाधिकारियों को शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने के लिए लक्ष्य कर तत्पर रहते हुए अलर्ट रहने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ निर्वाचन कार्य को गति देने का निर्देश दिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार एवं राज्य पुलिस नोडल

निर्वाचन रूटीन वर्क नहीं, एक भी घटना हुई तो पदाधिकारी भी नपेंगे : होमकर

राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर ने सभी हिस्ट्रीशीटर एवं किंगपिन के खिलाफ अभियान चलाकर उन्हें पकड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पोलिंग पार्टी, इवीएम, मतदाता, सुरक्षा बल सहित सभी की सुरक्षा हमसभी की पहली प्राथमिकता होगी, निर्वाचन कार्य के रूटीन कार्य में नहीं लें। एक भी घटनाएं हुई तो अपराधियों के साथ-साथ पदाधिकारियों की भी जिम्मेवारी तय होगी।

'भगोड़े अपराधियों की संपत्ति करें कुर्क'

बैठक के दौरान भगोड़े एवं विभिन्न जगहों पर छिपे हुए अपराधियों के विरुद्ध कुर्की जब्ती की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सोशल मीडिया सेल को एक्टिव कर आठ मिनट के अंदर फेक न्यूज पर कार्रवाई करने को कहा। बैठक में सीआरपीएफ के आईजी राकेश अग्रवाल, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह सहित उतरी छोटानागपुर प्रमंडल की आयुक्त, डीआईजी सीआरपीएफ, दुमका प्रक्षेत्र के आईजी सहित धनबाद, बोकारो, गिरिडीह एवं देवघर जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त, आरक्षी अधीक्षक, सीआरपीएफ के कमाण्डेन्ट सहित लोकसभा निर्वाचन से संबंधित सभी वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

केवल योजना न बनाएं, धरातल पर भी काम करें अफसर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार इस बार झारखण्ड के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक अथार्त दिनभर मतदान होना है। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से मुख्यालय एवं आयोग के स्तर से भी नजर रखी जाएगी। निर्वाचन के कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न हो इस बाबत सभी पदाधिकारियों को आयोग द्वारा दिशा-निदेश दिया गया है। इसका सख्ती से ससमय अनुपालन किया जाना है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी केवल कार्ययोजना नहीं बताएं, धरातल पर चुनाव की तैयारियों में आयोग के आदेशों के अनुपालन का रिपोर्ट दें। अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला चेक पोस्ट पर सघन जांच कराने का निर्देश दिया, कहा कि चेकपोस्ट की निगरानी सीसीटीवी के माध्यम से रखी जा रही है, इसलिए उनपर विशेष नजर रखना सुनिश्चित करें।

पदाधिकारी एवी होमकर ने अवैध शराब, नशीले पदार्थों, हथियार, विस्फोटक सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की आवाजाही पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी निगरानी करने का निदेश दिया। साथ ही मुफ्त की वस्तुओं की आमद/वितरण को रोकने के लिए सफल प्रयास करने, छापेमारी अभियान को तेज करते हुए विभिन्न कांडों में संलिप्त आरोपितों एवं अवैध सामग्रियों की बरामदगी करते हुए संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने क्रिटिकल एवं वल्नरेबल मतदान केन्द्रों की सूची को फिर से रिवाइज करने एवं हर संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती करने का निर्देश दिया।

आमलोगों की सुविधा का ध्यान रख करें वाहनों का प्रबंधन

सीईओ ने कहा कि चुनाव को देश के महापर्व के रूप में मनाना है। मतदान के कार्य में लगे सुरक्षाकर्मियों, मतदानकर्मियों एवं मतदाताओं की सुरक्षा और सहूलियत को ध्यान में रखकर काम करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के कार्यों में लगे वाहनों का प्रबंधन ससमय कर लें। वाहनों के प्रबंधन में यह ध्यान रखें कि आमलोगों को आवागमन में कोई परेशानी न हो एवं मतदान के दिन कर्फ्यू जैसा माहौल नहीं रहे। इस बार उत्साह के माहौल में लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ मतदान करने जाना है अतः विशेष ध्यान रखना है कि मतदान के दिन सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो।

सीतामढ़ी में देश का सबसे ऊंचा मंदिर बनाने की कवायद तेज, विराजेंगी मां जानकी

मिथिला डायरी

सीतामढ़ी : सीतामढ़ी जिले में देश के सबसे ऊंचे मंदिर का निर्माण होने जा रहा है। मां जानकी यानी माता सीता के इस मंदिर के निर्माण को लेकर कवायद तेज हो चुकी है। 251 फीट ऊंचे दिव्य मंदिर का निर्माण रामायण रिसर्च काउंसिल द्वारा कराया जाना है। काउंसिल से जुड़े निरंजनी आखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी चितप्रकाशानंद जी महाराज ने मंदिर के निर्माण कार्य से जुड़ी बातों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, यह जानकी की धरती है, जिससे यह ऊर्जा, शक्ति और वैभव से भरी हुई है। उन्होंने बताया कि वे वृंदावंन, अयोध्या और हरिद्वार के साधु-संतों से जानकी मंदिर की चर्चा की, तो इस भूमि के प्रति संतों में गजब का उत्साह और लगाव दिखा। फिर वे पूरे देश के तीर्थ क्षेत्र को जोड़ने की मुहिम में जुट गए कहा कि मिथिला भगवती का पूरा क्षेत्र है, जिसे 'तीर्थ क्षेत्र' के नाम से विकसित किए जायेंगे।

51 शक्ति पीठों से आयेगी मिट्टी

स्वामी जी ने कहा कि देश में 39 शक्ति पीठ हैं। शेष शक्ति पीठ श्रीलंका, इंडोनेशिया और बाली समेत अन्य देशों में है। रामायण रिसर्च काउंसिल के ट्रस्टी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मां जानकी की मंदिर का निचला भाग वृत्ताकार होगा। उसके चारों ओर से मां के 108 विग्रह (स्वरूपों) को प्रदर्शित किया जायेगा। मंदिर के लिए 55 एकड़ भूमि की जरूरत है, जिसमें से 35 एकड़ उपलब्ध हो चुका है। शेष कुछ माह के अंदर उपलब्ध हो जायेगा। महामंडलेश्वर ने कहा कि चुनाव बाद मंदिर के निर्माण का कार्य शुरू हो जायेगा। इसका शिलान्यास पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होना है। हालांकि उन्होंने पीएम मोदी का नाम नहीं लिया। उल्लेखनीय है कि मंदिर निर्माण में बखरी मठ के महंत के द्वारा खास योगदान दिया जा रहा है। महंत द्वारा माता सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा के निर्माण के लिए 14 एकड़ जमीन दान में दी गई है। मां सीता की बनने वाली यह प्रतिमा विश्व में सबसे ऊंची होगी। अयोध्या में नव निर्मित श्रीराम मंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा भी मंदिर स्थल का भ्रमण कर चुके है।

देवेश बाबू की उम्मीदवारी स्वागत-योग्य, सीतामढ़ी को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय ख्याति : गोविंद नारायण पाठक

सीतामढ़ी : जनता दल (यू) किसान किसान प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष गोविन्द नारायण पाठक ने सीतामढ़ी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र संख्या- 05 से देवेश चंद्र ठाकुर को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से जनता दल यू उम्मीदवार घोषित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इसे एक समुचित और सार्थक निर्णय बताते हुए पार्टी आलाकमान के फैसले का स्वागत किया है। कहा कि श्री ठाकुर के नेतृत्व में सीतामढ़ी जिले को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिलेगी। श्री ठाकुर का व्यक्तित्व व कृतित्व जाति-धर्म से परे मानव सेवा परमो धर्मः पर आधारित रहा है। लोग अब समझ रहे हैं कि जगत जननी मां जानकी की जन्मभूमि सीतामढ़ी की आवाज संसद में गूंजेगी और सीतामढ़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करेगी। श्री पाठक ने कहा- आज क्षेत्र में चर्चा का विषय है कि देवेश बाबू को निर्विरोध संसद में भेजना चाहिये, जो सही भी है। जब कभी दूसरे राज्यों या विदेशों में बिहारियों के ऊपर कोई हमला या उन्हें अन्य जोखिम भरी परेशानी हुई, उन्होंने अपने प्रभाव एवं सम्पर्क के बल पर बिहारियों को सुरक्षा एवं सम्मान प्रदान कराया है। अपने पैतृक आवास को सुसज्जित कर भूमि सहित विद्यालय को दान कर उन्होंने जो मिसाल पेश की, वह लोग जानते हैं। स्मरणीय है कि बिहार शताब्दी उत्सव समारोह 15 अप्रैल 2012 को सोमैया मैदान मुंबई में देवेश बाबू के द्वारा आयोजित किया गया था और यह समारोह ऐसे समय मे हुआ था, जब बिहारियों पर राज ठाकरे के द्वारा काफी अनाचार किया जा रहा था। वैसे समय में उक्त समारोह ने मुंबई की धरती पर शताब्दी समारोह से बिहार स्वाभिमान दिवस का रूप ले लिया, जिसका आज भी प्रभाव है कि कोई भी बिहार और उत्तरप्रदेश के लोगों को अपमानित नहीं कर सकता है। श्री पाठक ने कहा कि शिक्षा विकास का आधार है और शिक्षा के उत्थान में देवेश बाबू की भूमिका अनुकरणीय रही है। उन्होंने दावा किया कि श्री ठाकुर को जनता का अपार समर्थन मिलेगा और उनकी विजय सुनिश्चित है।

शक्ति-संपन्न होने का पर्व है नवरात्रि

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

(9 अप्रैल - चैत्र नवरात्रि पर विशेष)

ऋतु के संधिकाल पर आने वाली नवरात्रि एक प्रकार से शक्ति आश्रय में जाकर अपने में परिवर्तन लाने का समय है। मुख्य रूप से वर्ष में दो बार आकर नवरात्रि सभी को संकेत देती है कि वह अपने जीवन में सकारात्मक अंतर लाएं, अपने आप को बदलें, अपना नवीनीकरण करें, अपनी शक्तियों को फिर से धारदार बनाएं।

समय शक्ति की तरह गतिशील है तो महाकाल की तरह शाश्वत भी है। समय की आदत है कि वह बदलता रहता है। इस तथ्य का सबसे बड़ा उदाहरण बदलते समय के साथ हमारे व्यक्तित्व में आता बदलाव है। हमारा रूप, रंग, शरीर सब बदलता है। हम चाहें या नहीं चाहें, उम्र या काल धीरे-धीरे हमें ग्रसने लगता है।

शक्ति का अर्थ बदलाव है, बदलाव हमेशा पीड़ा देता है। बदलाव सहज नहीं है। उसे स्वीकार करने में कई बार अपने तयशुदा मान्यताओं एवं अपने अहंकार की बलि देनी पड़ती है। श्री राम को भी राम राज्य स्थापित करने के लिए रावण को हराना था, अपनी खोई हुई लक्ष्मी (सीता) को वापस लेकर आना था। देवी भागवत पुराण में वर्णित है कि श्री राम जब रावण से युद्ध करने जा रहे थे, उस समय वे बिल्कुल हताश एवं निराश हो गए थे। सामने सागर की अथाह लहरें थीं तथा उसे पार कर रावण के विशाल साम्राज्य का अंत करना था। अवध नरेश श्री राम अकिंचन बन गए थे। रावण से युद्ध करने की बात सोचकर उन्हें घबराहट हो रही थी। ऐसे में नारद ने उन्हें हिम्मत देते हुए कहा कि- नवरात्रि शक्ति पूजन करने के बाद लंका विजय की ओर प्रस्थान करें।

जीवन संग्राम में जब भी बदलाव की संभावना होती है, उस समय शक्ति की सर्वाधिक आवश्यकता अनुभव होती है और नवरात्रि शक्ति संपन्न होने का पर्व है। वर्ष में चार बार नवरात्रि (दो बार प्रकट और दो बार गुप्त रूप में) हमारे जीवन में आये आलस्य, प्रमाद को हटाकर पुनः नव शक्ति सृजन का अवसर है। क्योंकि, बिना शक्ति के बदलाव नहीं आ सकता है। परंतु हमारा भ्रम है कि हमने शक्ति को कुछ और मान लिया है।

हमारे द्वंद्व का कारण है कि हम यही सोच रहे हैं कि शक्ति संहार में है अथवा भक्ति, समर्पण में है?

आम साधक सोचता है कि शक्ति संहार में है। दुर्गा देवी की दुर्गा सप्तशती में शक्ति की शौर्य गाथा का गुणगान किया गया है तथा इस काल के सबसे विराट महाकाव्य रामचरितमानस में शक्ति का स्वरूप भक्ति है। वहां 'श्री' रूप सीता भक्ति गुण का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। शबरी, विभीषण एवं हनुमान भक्ति गुण से ओतप्रोत हैं, स्वयं श्री राम भी भक्ति की प्रतिमूर्ति हैं। अपने गुरु तथा अपने श्रेष्ठ जनों के प्रति श्री राम की भक्ति अतुलनीय है।

नवरात्रि के नौ दिनों में साधक आत्म मंथन करके जानना चाहता है कि शक्ति संहार में है अथवा समर्पण में है? संहार एवं समर्पण चुम्बक के दो ध्रुव की भांति हैं, उत्तर एवं दक्षिण, बल्कि शक्ति का अर्थ इन दोनों ध्रुव के बीच परिवर्तन शब्द में समाया हुआ है।

ऊर्जा का स्त्रोत आपके भीतर

ऊर्जा सदैव आंतरिक है। इस आंतरिक ऊर्जा को संहार में व्यय करना है अथवा अपने अंदर बदलाव में, हर मनुष्य के सामने यह दो विकल्प हैं। संहार पथ शक्ति का मार्ग उस समय तक नहीं है, जब तक वह शक्ति से पूर्णतया ओतप्रोत नहीं हो जाए।

युद्ध करने से पूर्व यह तो मालूम हो कि जीत सुनिश्चित है। इसलिए राम शक्ति पूजन करके रावण वध के लिए निकलते हैं। परंतु उस स्थिति तक पहुंचना सहज नहीं है। अधिकांश लोग आधे अधूरे में लटके हुए हैं। वह दुष्ट शक्तियों पर प्रहार करना चाहते हैं, पर उन शक्तियों के सामने स्वयं को बौना पाते हैं। रोचक तथ्य है कि यह दुष्ट शक्तियां बाह्य नहीं, बल्कि आंतरिक हैं।

श्री राम सत्य को परिभाषित करते हैं एवं रावण दुष्टता को। परिभाषा बहुत आसान है, गुण-दोष एकदम बंटे हुए हैं। अर्थात अच्छा एवं बुरा का अंतर बहुत अधिक स्पष्ट है। परंतु राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं तथा रावण अति मानव है। लेकिन, अधिकांश लोगों में सत्य- असत्य दोनों छुपा हुआ है। भेड़ एवं भेड़िया दोनों मन के अंदर है। उसके अंदर दोनों प्रकार की दुनिया है। उसके अंदर सत्य है, असत्य है, प्रेम है, घृणा है, भय है, शौर्य है, प्रहार है, संधि है। इसलिए भेद करना कठिन है कि कब कौन सा पक्ष भारी पड़ जाए। अतः साधारण मनुष्य अपने आप को भक्ति पथ पर समर्पित कर देता है। विनम्र भाव में उसे शांति मिलती है।

'प्रभु मेरे अवगुण चित ना धरो' गाता हुआ वह सोचता है कि प्रभु कृपा से वह उस पार चला जाएगा। वह अपने अवगुणों का शमन कर सकेगा। इसलिए भक्ति पथ सर्वश्रेष्ठ है। इसलिए कलियुग में भजन से पाप का शमन हो जाता है।

पाप स्वयं एक पहेली है। उल्टा-सीधा एक समान शब्द पाप धूम्रलोचन का प्रतिनिधित्व करता है। किस दिशा से आप देख रहे हैं, वह आपका मानक है। यह बहुत दुविधा का विषय है। पाप को बाहर जानकर उसका अंत सिर्फ शक्तिमान या शक्तिमयी ही कर सकती है। जैसे भगवान विष्णु ने मधु-कैटभ का अंत किया तथा दुर्गा ने महिषासुर का वध किया।

आम जन इस सिद्धांत का पालन करके यदि दुष्ट का अंत करें तो उनके जीवन में मात्र कष्ट एवं क्लेश बढ़ेगा। किसी प्रकार का कोई उचित समाधान नहीं मिलेगा, क्योंकि बाह्य युद्ध सिर्फ योद्धा को तोड़ता है, परंतु यदि दुष्ट आपके अंदर हो तो उसे जीतने के लिए आपको स्वयं को बदलना पड़ता है।

आमजन के जीवन में मधु-कैटभ अनेक रूपों में डेरा डाले हुए है। मधु मोह है, किसी के प्रति भी अतीव हमें दुख देता है। कैटभ ईर्ष्या है, हर उस सुख से ईर्ष्या है, जो हमें नहीं मिला। महिषासुर जड़ता है, ये सारे शत्रु आंतरिक हैं, परंतु खोजने हम इन्हें बाहर हैं।

सही पथ चुनने का अवसर

समय का प्रवाह रुकता नहीं है, वैसे ही काम का प्रवाह भी रुकना नहीं चाहिए। चाहे समस्या कितनी भी घनघोर क्यों न हो। भक्त आगे बढ़ता रहे, वह रुके नहीं। नवरात्रि त्योहार नहीं, बल्कि अवसर है अपने को बदलने का, अपनी त्रुटियों को बदलने का, खुद को बड़ा बनाकर सही पथ को चुनने का। अपनी आंखों पर पड़े हुए पर्दे को हटाकर सत्य की भव्यता को स्वीकार करें और उसे अंगीकार कर सही पथ को चुनें, जिसमें अपना, समाज और राष्ट्र सभी का भला हो।

आज के समय में राम के आदर्श तक बढ़ने से पहले श्री कृष्ण की नीतियों से गुजरना होगा। उनके जुझारूपन को अपनाकर साम, दाम, दंड, भेद की नीति का उचित प्रयोग करके दुष्ट शक्तियों को हराना है। यह काम अकेले नहीं हो सकता। शक्ति की आवश्यकता है, यह शक्ति दुर्गा है। अब देखना यह चाहिए कि यह दुर्गा तत्व है क्या? इसका निर्णय हम वैष्णव तंत्रों के अनुसार ही करने की चेष्टा करेंगे। नारद पांचतंत्र में लिखा है-

जानात्येका परा कान्तं सैव दुर्गा तदात्मिका।
या परा परमा शक्तिर्महाविष्णुस्वरूपिणी।।

एक ही परा शक्ति श्रीकृष्ण को जानती है, क्योंकि यह उसी का रूप है। यही दुर्गा है, जो परा परमशक्ति है। महाविष्णु (श्रीकृष्ण) रूपिणी है और जिसके जानने मात्र से अति शीघ्र ही परात्पर देव की प्राप्ति हो जाती है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

स्वादिष्ट के साथ-साथ सेहत के लिए वरदान भी है नाशपाती

गर्मियों में मिलने वाला नाशपाती एक ऐसा फल है, जो खाने में स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए वरदान माना जाता है। चलिए जानते हैं इसके फायदों के बारे में -

दिल रखे स्वस्थ - नाशपाती का सेवन करने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने में फायदेमंद होता है। इसके साथ ही यह गुड़ कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने में मदद करता है। ऐसे में शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही से होता है। इस तरह दिल स्वस्थ रहने से हार्ट अटैक आने व इससे जुड़ी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है।

डायबिटीज रहे कंट्रोल - नाशपाती में मौजूद पोषक तत्व शरीर में ग्लूकोज की मात्रा में कंट्रोल करने में मदद करते हैं। ऐसे में डायबिटीज के मरीज इसका सेवन बिना किसी परेशानी के कर सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए- नाशपाती विटामिन सी, अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद मिलती है। ऐसे में सर्दी, जुकाम, मौसमी बुखार आदि बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है। वहीं दुनियाभर में फैले कोरोना से बचने के लिए भी इम्यूनिटी बढ़ाना बेहद जरूरी है। ऐसे में डेली डाइट में नाशपाती शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है।

पाचन तंत्र करें मजबूत - इसमें फाइबर अधिक होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से कब्ज की समस्या से राहत मिलती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहने में मदद मिलती है। ऐसे में पेट संबंधी परेशानियों से बचाव रहता है।

खून बढ़ाए- नाशपाती में आयरन होता है। यह हीमोग्लोबिग की मात्रा को बढ़ाने में मदद करता है। ऐसे में खून की कमी को पूरा करने के लिए डेली डाइट में नाशपाती का सेवन करना सबसे अच्छा विकल्प है।

वजन कम करे - मोटापे से परेशान लोग डेली डाइट में नाशपाती शामिल कर सकते हैं। इसके सेवन से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में आप वजन कम करने के लिए इसका सेवन करना बेस्ट माना जाता है।

मजबूत हड्डियां - इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियां मजबूत करने में मदद करती है। ऐसे में बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

ज्यादा सेवन से नुकसान

अगर नाशपाती का ज्यादा सेवन किया जाए तो ये हमें फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। कुछ निम्न स्थितियां भी हैं जब नाशपाती नहीं खानी चाहिए

- दस्त की समस्या में नाशपाती न दें। इससे परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है।
- अगर किसी को सर्दी-जुकाम की ज्यादा परेशानी हो तो वो भी नाशपाती का सेवन ज्यादा न करें, वरना परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि नाशपाती की तासीर ठंडी होती है।
- नाशपाती को काटने के बाद तुरंत उसका सेवन करें। कटी नाशपती कुछ देर में भूरे रंग की हो जाती है, जो नुकसानदायक है।

- प्रस्तुति : आरके झा

हिंदू नववर्ष : 2024 का राजा कौन, चंद्रमा या मंगल दूर करें अपना कंफ्यूजन, जानिए कैसा रहेगा प्रभाव

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण -

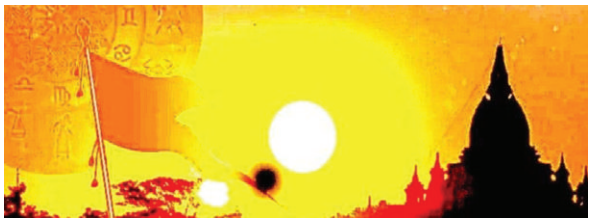

सनातन परंपरा के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नव वर्ष का आरंभ होता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही सृष्टि का निर्माण हुआ था। अथर्ववेद में भी इस बात का संकेत मिलता है। इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की शुरूआत 8 अप्रैल 2024 को रात्रि 11 बजकर 50 मिनट और 44 सेकंड से होगी।

इस वर्ष का वर्षेश/राजा कौन?

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को जो वार होता है, वही वारेश वर्ष का राजा नियुक्त होता है। 8 अप्रैल को सोमवार है और इसका वारेश चंद्र है, इसलिए इस वर्ष का राजा चंद्र होगा।

वर्षेश / राजा के निर्धारण में तकनीकी त्रुटि

इसकी चर्चा इसलिए आवश्यक है, क्योंकि प्रायः इसकी वजह से वर्षेश भिन्न हो जाता है। सही में कुछ और होता है और गणनात्मक त्रुटि की वजह से कुछ और हो जाता है। इसको बहुत स्पष्टता से समझने की जरूरत है। इस घालमेल की वजह से गलत वर्षेश का निर्धारण हो जाता है। गलत तथ्य के प्रकाशन के साथ साथ भ्रम की स्थिति बन जाती है।

एक सवाल - 8 अप्रैल को जिस भी बच्चे का जन्म रात्रि में 11:50:44 बजे होगा। उसकी माह, पक्ष, तिथि और वार क्या लिखी जाएगी?
क्या ऐसा नहीं लिखेंगे?
माह - चैत्र
पक्ष- शुक्ल
तिथि - प्रतिपदा
वार- सोमवार
ठीक इसी प्रकार 8 अप्रैल 2024 भारतीय समयानुसार रात्रि के 11:50:44 बजे वर्ष प्रतिपदा की जो कुंडली बनेगी, वहां माह, पक्ष, तिथि और वार में लिखा जायेगा- चैत्र माह शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि और सोमवार। ऐसा नहीं होगा न कि कुंडली तो हम रात्रि के समयानुसार बनाएं और तिथि, वार आदि दूसरे दिन सूर्योदय काल से लें।
हिन्दू कैलेंडर के अनुसार एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक वार नहीं बदलता, इसलिए 8 अप्रैल को सोमवार रहेगा और सोमवार का वारेश चंद्र है। इसलिए वर्ष का राजा चंद्र होगा।
ज्योतिषीय गणना से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा एवं चैत्र नवरात्र की शुरूआत कब से है?
चूंकि नव संवत्सर की शुरूआत 8 अप्रैल को देर रात्रि में हो रही हैं, इसलिए शक्ति साधना के लिए नवरात्र की शुरूआत 8 तारीख से न होकर 9 अप्रैल प्रातः काल से की जाएगी।
9 अप्रैल प्रातः काल से चैत्र नवरात्र की शुरूआत होगी और 8 अप्रैल को रात्रि 11 : 50 :44 बजे से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की शुरूआत होगी।
सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के अनुसार वर्ष का मंत्री नियुक्त होता है। इसके अनुसार इस वर्ष का मंत्री शनि होगा।
हिन्दू नव वर्ष 2024 का राजा चंद्र और मंत्री शनि होगा। चंद्र और शनि दोनों एक-दूसरे से भिन्न प्रकृति एवं प्रवृति के ग्रह हैं।
वराह मिहिर के अनुसार, जिस वर्ष का राजा चंद्र होता है, वह वर्ष धरती जलमग्न हो जाती है। सभी प्रकार के धान्य प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। लोगों के बीच आपसी प्रेम में बढ़ोतरी होती है।
यह अधूरा कथन है, क्योंकि इसके आगे कुछ नहीं कहा गया है कि राजा और मंत्री कि स्थिति के अनुसार वर्ष कैसा होगा या राजा का अन्य ग्रहों के साथ बनने वाले संबंधों के आधार पर वर्ष कैसा रहेगा।
वराह मिहिर के इस कथन से प्रकाश लेते हुए देश काल के साथ अन्य सभी पहलुओं पर विचार करते हुए देखते हैं कि इस वर्ष चंद्र का राजा बनना और शनि का मंत्री बनना क्या संकेत दे रहे हैं।
वर्ष प्रतिपदा की कुंडली में केतु को छोड़कर अन्य सभी ग्रह सिर्फ 65 डिग्री के अंशात्मक दूरी में होंगे। वर्षेश चंद्र जलीय राशि में जलीय ग्रह शुक्र के साथ साथ सूर्य और राहु के साथ नजदीकी संबंध में होगा।
राजा चंद्र का मीन राशि, रेवती नक्षत्र में, सूर्य, राहु और शुक्र के साथ होगा और मंत्री शनि स्व राशि कुंभ राशि, वायु तत्व राशि में मंगल के साथ होगा। बुध मेष राशि, अग्नि तत्व राशि में वक्री और गंडांत में गुरु के साथ होगा। इसपर वैसे शनि की दृष्टि होगी, जो मेष के मालिक मंगल के साथ होगा।
वर्ष प्रतिपदा के दिन ही यानि 8 अप्रैल को सूर्य ग्रहण भी है, जो अमेरिका, मेक्सिको, कनाडा में पूर्ण एवं पश्चिमी यूरोप, ग्वाटेमाला, ऐलसालवाडोर, निकारागुआ, पुर्तगाल, आयरलैंड आदि जगहों में आंशिक रूप में देखा जायेगा।
राजा चंद्र की अपेक्षा मंत्री शनि की स्थिति मजबूत होना तथा ग्रहों का आपस में जिस प्रकार का संबंध तैयार हो रहा है, वह इस वर्ष क्या संकेत दे रहे हैं?
इन सबके मद्देनजर इस वर्ष के महत्वपूर्ण संकेत निम्नांकित हैं-
1 - अमेरिका में राजनैतिक उथल पुथल की स्थिति के साथ-साथ वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति पहले से और कमजोर हो सकती है।
2 - पश्चिमी यूरोप में भी राजनैतिक उथल पुथल संभव है।
3 - वर्ष के आरंभ से ही देश, काल का समर्थन, प्राकृतिक आपदा के साथ साथ जलवायु परिवर्तन के लिए अनुकूल भूमि प्रदान कर रहे हैं।
4 - हिमालयन रेंज में भूकंप की स्थिति बन सकती है।
5 - लंबी अवधि तक चलने वाली गर्मी की वजह से हिन्दुकुश रेंज में बाढ़ की स्थिति तो बनेगी ही, साथ ही साथ जल संकट की स्थिति बनेगी। हिमस्खलन के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो सकता है।
भारतवर्ष के सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर में भूकंप, बाढ़ और बादल फटने के साथ साथ जल प्लावन की स्थिति बनेगी।
चीन, जापान में जहां भूकंप की स्थिति बनेगी, वहीं टेक्सास, मेक्सिको में आगजनी की स्थिति बन सकती है। जबकि अमेरिका का टेक्सास और मेक्सिको सर्वाधिक प्रभावित होने वाले क्षत्रों में होगा।
ज्वालामुखी विस्फोट, चक्रवातीय तूफान, भूस्खलन, हिमस्खलन, आगजनी जैसे प्राकृतिक उत्पात की घटनाओं में इस वर्ष वृद्धि हो सकती है।
6 - इस वर्ष गर्मी सामान्य से अधिक लम्बे समय तक चलेगी।
7 - सूखा संभावित क्षेत्र में वृद्धि के साथ साथ इस वर्ष लंबी अवधि तक चलने वाली गर्मी और अनियमित तथा अनुमान से कम बारिश की वजह से भू जलस्तर में गिरावट दर्ज की जाएगी।
8 - जलवायु परिवर्तन की वजह से स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याओं में वृद्धि हो सकती है।
9 - अन्न संकट और आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है।
10 - समुद्र जल के पीएच में बदलाव से कुछ समुद्री जीव जंतुओं, जैसे कछुआ के अस्तित्व पर संकट पैदा हो सकता है।
11 - वृक्षों में लगने वाले पुष्प एवं फलों में आयी विकृति से इन पर आश्रित जीव, पशु, पक्षी के सामने खाद्यान्न संकट के साथ साथ कुछ पक्षियों के अस्तित्व पर भी संकट उत्पन्न हो सकता है।
चंद्र और शनि के हाथ में के हाथ में वर्ष का कमान आना और शनि का मजबूत होना महापरिवर्तन की दस्तक, हर स्तर पर व्यापक बदलाव का संकेत दे रहे हैं। कशमकश की स्थिति का बनना, असमंजस की स्थिति का बनना- इसका संकेत दे रहे हैं।
अब प्रश्न उठता है कि महापरिवर्तन/ व्यापक बदलाव के इस समय में प्रत्येक व्यक्ति क्या करें?
सबसे पहले कष्ट सहकर शरीर और मन को अनुशासित/ संयमित करके बुद्धि को सहिष्णु बनाकर सक्षम बनाने का प्रयास शुरू करना आरंभ करें।
इसके पश्चात भूमि, जल, वायु, समस्त प्राणी, वनस्पति एवं अन्य सूक्ष्म जीव जंतुओं के बीच के अन्तर्सम्बन्ध के साथ-साथ ऋतु की पहचान करते हुए इन सबके साथ भावनात्मक सम्बन्ध कायम करना आरंभ करें।
अंत में- संकल्प सिद्धि का वर्ष होगा यह। इसलिए इस वर्ष अपने जीवन से हर एक ऐसे शब्द को निकाल फेंकिए, जो आपके प्रगति पथ में बाधक हैं या आपके भीतर नकारात्मक विचारों के संवाहक हैं।
हमारी शिक्षा केवल सूचनाओं का भंडार बनकर न रह जाएं, बल्कि शिक्षा के साथ दीक्षा का समन्वय भी हो, यह बतलाने वाला यह समय तो है ही, साथ ही समस्त सृष्टि के लिए संभावनाओं का नए द्वार खोलने वाला समय है। आपदा को अवसर में बदलने वाला समय है।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद तथा योग एवं आध्यात्मिक चिंतक हैं।)

गणगौर - अखंड सौभाग्य-प्राप्ति का पर्व

- श्यामसुंदर जैन -
अध्यक्ष
बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन

गणगौर का त्योहार स्त्रियों के लिए अखंड सौभाग्य प्राप्ति का पर्व है। इस वर्ष गणगौर त्योहार का विसर्जन 11 अप्रैल को है। गणगौर पर्व मारवाड़ी समाज का प्रमुख पारंपरिक त्योहारों में से एक है। हमारी संस्कृति है। गणगौर पूजा हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को होती है। इस दिन कुंवारी कन्या और नव विवाहित महिलाएं व्रत रखती हैं। माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं। गणगौर दो शब्दों से बना है। गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ पार्वती से है। गणगौर पर्व विवाह योग्य कन्याओं के अच्छे घर और श्रेष्ठ वर की प्राप्ति के लिए शिवजी और पार्वती जी की पूजा गणगौर के रूप में करती हैं। 16 दिन तक दूर्वा घास और फूलों के द्वारा उनका श्रृंगार किया जाता है।
पूजा में सामग्री रोली, चावल, मेहंदी और मीठा भोग

लगाया जाता है एवं कुएं के पानी से पूजा करती हैं। अंतिम दिन पूजा करके सारी भोग सामग्री चढ़ाकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। शिव और पार्वती के साथ शिवजी की बहन रावा और शिव जी के भाई कनीराम और फूल बेचने वाली मालिन की भी पूजा होती है। इस तरह यह पर्व हमें रिश्तों का महत्व भी समझाता है। पर्यावरण से जोड़ने के लिए घास, पानी, दूर्वा, कुआं की पूजा हमें प्रकृति का महत्व समझाता है।

यह राजस्थान का मुख्य त्योहार है और सभी नवविवाहित सुहागन स्त्रियों और विवाह योग्य कन्याओं को इस दिन का विशेष इंतजार होता है और वह बहुत ही खुशी से पारंपरिक लोकगीतों का गायन करतीं हैं। मान्यता है कि कामदेव की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भस्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया था तथा विष्णु लोक जाने का वरदान दिया। उसी के स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष 26 मार्च से शुरू हुए गणगौर पर्व 11 अप्रैल को गणगौर विसर्जन के साथ है।

पेज- 1 का शेष

धुएं में लगी...

माध्यम से हॉट स्ट्रिप मिल तक फैल गया, जिसकी वजह से थोड़े समय के लिए हॉट स्ट्रिप मिल में अफरा-तफरी हुई। प्रबंधन का कहना है कि सेल-बोकारो स्टील प्लांट अपने कामगारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कामगारों को नियमित रूप से सुरक्षा प्रोटोकॉल से अवगत कराया जाता है और सुरक्षा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

गैस एनालाइजर से जांच में नहीं मिला रिसाव

घटनास्थल पर गैस एनालाइजर से भी जांच की गई और यह पाया गया कि किसी प्रकार की गैस लीकेज की घटना नहीं हुई है। अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद ने अस्पताल जाकर कामगारों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और इसे सामान्य पाया। इस बीच जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने भी प्लांट जाकर घटना के सम्बन्ध में जानकारी ली, जहां उन्हें बताया गया कि किसी प्रकार की गैस लीकेज नहीं हुई है, जिसकी पुष्टि गैस एनालाइजर मशीन से हुई है।

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

देश-विदेश वर्णन

Postal Reg. No.- DNB- 072/2023-25
बोकारो रविवार 07.04.2024
News & E-paper : www.varnanlive.com

इंडी एलायंस कमीशन के लिए और भाजपा मिशन के लिए : नरेन्द्र मोदी

चुनावी सियासत... सहारनपुर में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि शक्ति उपासना हमारी स्वाभाविक आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा है, मगर इंडी एलायंस के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। उन्हें शायद नहीं पता कि जिन लोगों ने शक्ति को नष्ट करने प्रयास किया है, उनका क्या हाल हुआ है वो इतिहास और पुराणों में अंकित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच पर मुस्लिम लीग और वामपंथी हावी हो चुके हैं। भारत की आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों पहले ही खत्म हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को सहारनपुर में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सहारनपुर से बीजेपी उम्मीदवार राघव लखन पाल और कैराना से उम्मीदवार प्रदीप चौधरी के लिए जनता से रिकॉर्डतोड़ वोटों से जीत दिलाने की अपील की।

राष्ट्रनीति पर चलती है भाजपा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम दशकों में ही भाजपा के साथ रिकॉर्ड संख्या में देशवासी जुड़े हैं। भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है। हमारे लिए देश और देशहित से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण हमारे लिए चुनावी घोषणा नहीं, बल्कि मिशन है। जबकि, कांग्रेस जितने साल सत्ता में रही उसने कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। इंडी एलांएंस कमीशन के लिए है और एनडीए व मोदी सरकार मिशन के लिए है। लाभार्थियों को उसका हक मिलना ही सच्चा सेक्युलरिज्म और न्याय है। मोदी ने बताया कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर चुनावी घोषणा नहीं, बल्कि हमारा मिशन था। इस वर्ष रामनवमी में हमारे प्रभु श्रीराम टेंट में नहीं, बल्कि भव्य मंदिर में दर्शन देंगे। ये हमारी पीढ़ी के लिए कितने बड़ा गौरव है। जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाना हमारा मिशन रहा है। ये मिशन भी पूरा हो चुका है। कश्मीर में पत्थरबाजों ने जो पत्थर फेंके थे, वो सारे पत्थर जुटाकर मोदी उन्हीं से विकसित जम्मू कश्मीर का निर्माण कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बिना भेदभाव के काम करती है। हमारी सोच यही है कि सरकार की योजनाएं हर वर्ग, हर जाति, हर व्यक्ति तक पहुंचे। लाभार्थियों को उसका हक मिलना ही सच्चा सेक्युलरिज्म और सामाजिक न्याय है।

'मेरे साथ मुस्लिम बेटियों का आशीर्वाद'

प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन तलाक की कुप्रथा का अंत करके करोड़ों मुस्लिम बहनों के हित में काम किया गया। उन्होंने कहा कि कोई भी मुस्लिम महिला किसी की बेटी और किसी की बहन होती है। जब मां बाप बेटी को ब्याह करके भेजते हैं तो भी मन में चिंता रहती थी कि कहीं दामाद तीन तलाक बोलकर वापस न भेज दे। इसलिए तीन तलाक के कानून की परंपरा को खत्म करके सिर्फ मुस्लिम महिला ही नहीं बल्कि पूरे मुस्लिम परिवार को बचाने का काम किया है। ये एक काम इतना बड़ा किया गया है कि आने वाली कई सदियों तक मुस्लिम बेटियां मोदी को आशीर्वाद देती रहेंगी।

'आपका सपना ही मोदी का संकल्प'

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने मेरा काम देखा है, जो कि हर पल देश के नाम है। ये 247 फॉर 2047 है। आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि जनता के बेहतर भविष्य के लिए ही भ्रष्टाचार पर आज कड़ा प्रहार किया जा रहा है। ये भ्रष्टाचारी गरीब के सपनों को तोड़ते हैं, आपको लूटते हैं, आपके अधिकारों को लूटते हैं। आपको आगे बढ़ने से रोकते हैं। आपका बेटा या बेटी नौकरी के लिए योग्य है, मगर किसी और को नौकरी दे दी जाए तो आपके बेटे बेटी का भविष्य का क्या होगा। आपके बेटे बेटी के भविष्य को बचाने के लिए मोदी इतनी गालियां खा रहा है। ये भ्रष्टाचारी एकजुट होकर मोदी को धमकी दे रहे हैं। मगर हमारा मिशन साफ है, भ्रष्टाचार हटाओ, उनका कमिशन साफ है 'भ्रष्टाचारी बचाओ'। लेकिन, ये मोदी है जो पीछे हटने वाला नहीं है। भ्रष्टाचार पर तेज कार्रवाई जारी रहेगी ये मोदी की गारंटी है।

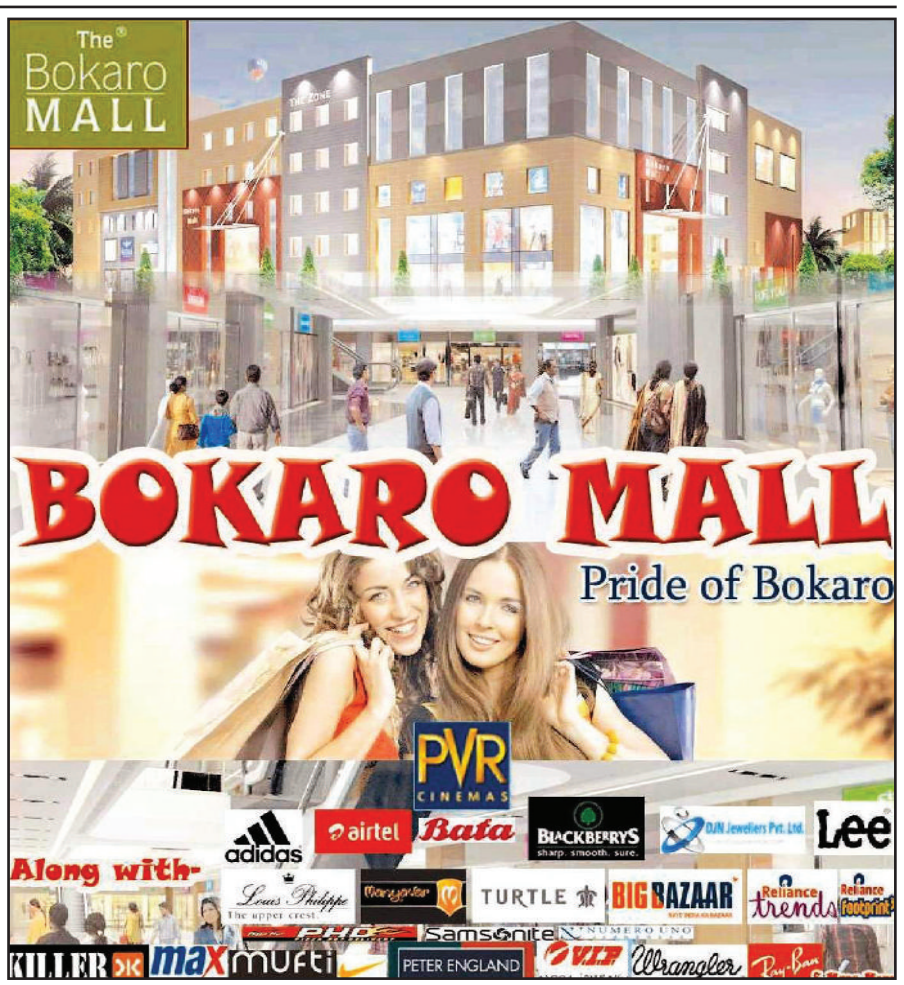

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)